200 से अधिक बच्चों ने सीखा जुम्बा

किडथन के पहले प्रैक्टिस सेशन , रोटरी मिडटाऊन, प्रतिदिन अखबार, वृत्त केसरी, निवम स्कूल का आयोजन

प्रतिनिधि, 16 दिसंबर

अमरावती- रोटरी क्लब ऑफ मिडटाऊन, निवम स्कूल, प्रतिदिन अखबार व वृत्त केसरी के संयुक्त तत्वावधान में शहर में पहली बार रविवार 23 दिसंबर को 3 से 14 वर्ष आयु के बच्चों के लिए किडथॉन दौड़ का आयोजन किया गया है. इसके पूर्व विविध प्रैक्टिस सेशन लिये जा रहे हैं. रविवार को चौथा जुम्बा का सेशन जिन आशीष लुल्ला द्वारा लिया गया. मार्शल आर्ट का सेशन आकाश सर व क्रिकेट सेशन कोच मयूर तायड़े ने लिया. करीब 4 सेशन हर रविवार को आयोजकों द्वारा लिये जा रहे हैं. किडथॉन में करीब 400 बच्चे हाथ में बाल अत्याचार विरोधी श्लोगन लेकर दौड़ेंगे. 250 मीटर से 5 किमी तक का फासला अलग-अलग ग्रुप व आयु के बच्चे तय करेंगे. किडथॉन दौड़ में सहभागी होने वाली सभी महिलाओं को नंदा साड़ी के ओर से टी शर्ट, जाजू इन्वेस्टमेंट की ओर से प्रशस्तिपत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया जायेगा.

बच्चों के लिए स्नैक व बिस्किट की व्यवस्था मनभरी की ओर की गई है. इसका मीडिया पार्टनर प्रतिदिन अखबार समूह है. प्रैक्टिस सेशन सुबह 8 से 9 बजे तक चला. सभी बच्चों ने खूब आनंद लिया. आयोजन को सफल बनाने के लिए निवम स्कूल की संचालिका तथा प्रकल्प निर्देशक नीता कक्कड़, बकुल कक्कड़, हार्दिक कक्कड़, प्रसाद मोरे, रवि साहू, मानव मेहता, स्मिता सिकची, डॉ. सुशील सिकची, सनी जगमलानी आदि प्रयासरत हैं.

नांदगांव खंडेश्वर शिवसेना द्वारा श्रद्धांजलि आज

अमरावती- शिवसेना जिला प्रमुख व पूर्व विधायक स्व. संजय बंड का हृदयाघात से निधन हुआ. उनके निधन से सभी पक्ष के नेता दुखी हैं. नांदगांव खंडेश्वर शिवसेना तहसील व शहर शाखा की ओर से मिलनसार व्यक्तिमत्व के धनी इस जननेता को सर्वपक्षीय श्रद्धांजलि अर्पण कार्यक्रम का आयोजन 17 दिसंबर की दोपहर 12.30 बजे श्री गजानन महाराज मंदिर नांदगांव खंडेश्वर में तहसील व शहर शिवसेना की ओर से किया गया है. सभी तहसीलों व शहर के शिवसेना, युवा सेना, महिला आघाड़ी व सभी पक्ष के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पण करने उपस्थित रहने की विनती की गई है.

सुधाकर निर्मल को गाडगेबाबा राज्यस्तरीय सेवा पुरस्कार

अमरावती- स्थानीय दस्तूर नगर निवासी आदर्श ग्रामसेवक सुधाकर निर्मल को संत गाडगेबाबा राज्यस्तरीय सेवा पुरस्कार जाहिर किया गया है. संत गाडगेबाबा की 62वीं पुण्यतिथि निमित्त 20 दिसंबर को मातोश्री विमलाबाई देशमुख सभागृह में जिलाधीश ओमप्रकाश देशमुख के हाथों गाडगेबाबा स्मृति सेवा पुरस्कार का वितरण किया जाएगा .महाराष्ट्र के सभी जाती धर्मों के 101 नागरिकों को उनके जीवन कार्य प्रित्यर्थ इस पुरस्कार का वितरण किया जाता है. ऐसे सेवा पुरस्कार के लिए उनका चयन किया गया है. उन्होंने जिप अंतर्गत 19 फरवरी 1973 से 30 जून 2006 तक ऐसा 33 वर्ष 4 माह व 11 दिन का सेवाकाल पूर्ण किया है. इस कार्यकाल के दौरान शुरूआत में उन्होंने कृषि सहायक के तौर पर मासिक 115 रुपये वेतन पर चांदूर रेलवे पंस के पलसखेड़ सर्कल के 19 गांवों में सफलतापूर्वक कार्य किया है. गांववाड़ा संभालने का उन्हें बड़ा अनुभव है. 1975 में राज्य का गेहूं का पहला पायलट प्रोजेक्ट मालखेड़ बांध के पानी पर क्रियान्वयन कर उन्होंने ग्राम पंचायत धानोरा म्हाली को पहला पुरस्कार दिलाया था. राज्य के तत्कालीन कृषि मंत्री शरद पवार ने ग्राम पंचायत में पहुंचकर उनका सम्मान किया. तबसे जिद व लगन को अपना कर ग्राम विकास का टार्गेट दिल में रखकर सरकार के निर्देश नहीं रहने के बावजूद भी गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाकर नालियों का कीचड़ निकालना, साफ-सफाई करना, पूरे गांव में स्वच्छता करना, गांव की गंदगी उठाकर उसका सोन खाद के रूप में इस्तेमाल कर किसानों को समझाना. इन सभी कार्यों के लिए चांदूर रेलवे पंचायत समिति में धानोरा म्हाली ग्राम पंचायत प्रथम क्रमांक पर रही. अपने परिवार, संत गाडगेबाबा व राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज को 'कुलदैवत' मानकर 1992-93 में संत गाडगेबाबा के नाम पर सरकार द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान में ग्राम पंचायत ब्राह्मणवाड़ा गोविंदपुर स्थित प्रत्यक्ष कार्य की की गई शूटिंग देखकर राजभवन में उन्हें सम्मानित किया गया था. जनसहभाग से स्वच्छता अभियान चलाकर पंचायत समिति, जिला परिषद व राज्यस्तर पर कई बार उन्हें गौरवान्वित किया गया है. आज उन्होंने जीवन के 71वें पड़ाव पर कदम रखा है. उनके संपूर्ण कार्यों के सम्मान के तौर पर इस पुरस्कार के लिए उनका चयन हुआ है. इस पुरस्कार समारोह की आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. नितिन धांडे (अध्यक्ष, विदर्भ यूथ वेलफेयर सोसायटी, अमरावती), निमंत्रक मंजूषा गोपाल उताने (अध्यक्ष, शब्द शक्ति ग्रंथालय, अमरावती), सुरेंद्र पाथरे, सुचित्रा पाथरे-अभ्यासा अकादमी ने उनका अभिनंदन किया है. सभी स्तर से उन पर अभिनंदन की वर्षा हो रही है.

समृद्धि के ठेकेदार का नया शगूफा

मुफ्त खेत तालाब लो, महामार्ग के लिए मुरूम दो!

अकालग्रस्त किसानों को लाभ

जिले में समृद्धि का काम जोरों पर

प्रतिनिधि, 16 दिसंबर

अमरावती - मुख्यमंत्री के डीन प्रोजेक्ट समृध्दि महामार्ग के लिए जमीन का भूसंपादन लगभग पूर्ण हो गया है. जिले में अनेक स्थानों पर कामकाज शुरू हो चुका है. विशेष यह है कि 18 दिसंबर को महामार्ग के भूमिपूजन की औपचारिकता पूर्ण की जाएगी. महामार्ग बनाने के लिए मुरूम, पत्थर, मिट्टी आसानी से उपलब्ध होने के लिए ठेकेदार ने एक नया शगूफा किसानों को दिया है. 'मुफ्त खेत तालाब लो और मुरूम-मिट्टी हमें दो' ऐसा ऑफर दिया जा रहा है. जिससे अकालग्रस्त किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा. अमरावती जिले के नांदगांव खंडेश्वर, धामणगांव रेलवे, चांदूर रेलवे तहसीलों में काम शुरू हो गया है. खेत से जा रहे मार्ग का आरेखण व जमीन समतल करने का काम किया जा रहा है.

90 प्रतिशत भूसंपादन पूर्ण

किसानों को लाभ मिलने के लिए ठेकेदार ने किसानों को मुफ्त में खेत तालाब देने और उससे प्राप्त होने वाली मुरूम, गौण खनिज का इस्तेमाल महामार्ग के लिए किया जाएगा. समृध्दि महामार्ग के भूसंपादन का काम करीब 90 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है. सरकार को इसके लिए किसानों के रोष का सामना करना पड़ा था. अभी भी 10 प्रतिशत किसान जमीन देने के लिए तैयार नहीं हैं. फिर भी समृध्दि महामार्ग का काम शुरू हो गया है.

अकालग्रस्त क्षेत्र में किसानों को लाभ

महामार्ग निर्माण के लिए लगने वाला गौण खनिज ठेकेदार को आसानी से उपलब्ध होने के लिए राज्य सरकार ने नया फंडा अपनाया. समृध्दि महामार्ग जिस क्षेत्र से गुजर रहा है, वहां के किसानों को ठेकेदार उनकी मर्जी के अनुसार खेत तालाब तैयार करेगा. बदले में मुरूम, पत्थर और मिट्टी महामार्ग कार्य के लिए इस्तेमाल करेगा. अकालग्रस्त क्षेत्र के किसानों को इसका लाभ मिलेगा और ठेकेदार को आसानी से गौण खनिज उपलब्ध होगा.

गौण खनिज प्रकल्प पर इस्तेमाल करना बंधनकारक

इसके लिए ठेकेदार को कुछ शर्तें रखी गयी हैं. किसान ठगे ना जाएं और दोनों में विवाद ना हो, इसके लिए किसान व ठेकेदार के बीच करार किया जाएगा. इसके लिए मध्यस्थता के रूप में कृषि उपज के अधिकारी रहेंगे. खेत तालाब से मिलने वाले गौण खनिज को महामार्ग विकास प्रकल्प पर इस्तेमाल करना बंधनकारक किया गया है.

रोष कम होने के संकेत

ठेकेदार खेतों से प्राप्त गौण खनिज की बिक्री नहीं कर पाएगा. खुदाई स्थान से प्रकल्प स्तर पर रास्ता उपलब्ध न रहने पर ठेकेदार को अस्थायी पहुंच रास्ता बनाना होगा. राज्य सरकार को समृध्दि महामार्ग के भूसंपादन दौरान किसानों के रोष का सामना करना पड़ा था. मगर नए फंडे से किसानों का रोष कुछ हद तक कम होने के संकेत मिल रहे हैं.

कुंभ : प्रयागराज के लिए चलाएं ट्रेन

सरयूपारिण ब्राह्मण सभा की मांग , सांसद अड़सूल को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि, 16 दिसंबर

अमरावती- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में कुंभ मेला आयोजित होने वाला है. विश्व का यह सबसे बड़ा धार्मिक मेला रहता है. यहां देश के कोने-कोने से श्रद्धालु आते हैं. अमरावती शहर व जिले से भी बड़े प्रमाण में प्रयागराज के कुंभ मेले में सहभागी होने के लिए नागरिक जाते हैं. कुंभ मेले के दौरान ट्रेनों में बड़े प्रमाण में भीड़ रहती है. अमरावती मॉडल रेलवे स्टेशन से प्रयागराज तक ट्रेन सेवा अगर शुरू की जाए तो श्रद्धालुओं को सुविधा उपलब्ध होगी. इस प्रकार की मांग को लेकर रविवार को सरयूपारिण ब्राह्मण सभा की ओर से सांसद आनंदराव अड़सूल को ज्ञापन सौंपा गया. ज्ञापन के मुताबिक कुंभ मेले में स्वयं प्रधानमंत्री भी आते हैं. देश-विदेश के श्रद्धालु भी कुंभ मेले में आते हैं. 180 देशों के दूतावासों को भी प्रयाग कुंभ मेले में आमंत्रित किया गया है. ऐसा भव्य-दिव्य अमृत वर्षामय मां गंगा के सानिध्य में स्नान करने का भाग्य प्राप्त करने के लिए अमरावती से प्रयागराज के लिए ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराएं. कुंभ मेला 15 जनवरी से लेकर 15 फरवरी तक चलेगा. अमरावती व पश्चिम विभाग के बड़े प्रमाण में श्रद्धालु जाते हैं. ऐसे में अमरावती-जबलपुर ट्रेन को प्रयागराज तक शुरू करें, ऐसी मांग की है. ज्ञापन के दौरान सरयूपारिण ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सूरजकिशोर चौबे, वीरेंद्र तिवारी, मुकेश तिवारी, आनंद मिश्रा, दुर्गेश तिवारी, श्रीप्रकाश त्रिपाठी, शैलेश मिश्रा, कृष्णदेव तिवारी, अमित तिवारी, बृजकिशोर तिवारी, अवधेश तिवारी, राजकुमार तिवारी, मनोज तिवारी, लालचंद तिवारी, मनोज मिश्रा, विजय मिश्रा, लाल तिवारी, श्यामसुंदर तिवारी, सुनील तिवारी, रामबलि पांडेय, रमाकांत पांडेय, गणेश पांडेय, अरविंद तिवारी, रोहित तिवारी आदि उपस्थित थे.

रेलमंत्री से करेंगे चर्चा

सरयूपारिण ब्राह्मण सभा की ओर से अमरावती-जबलपुर ट्रेन प्रयागराज तक चलाने की मांग पर सांसद आनंदराव अड़सूल ने आश्वासन दिया कि इस संदर्भ में रेलमंत्री पीयूष गोयल से चर्चा कर ट्रेन शुरू करवाने की दिशा में प्रयास करेंगे. विदित हो कि प्रयागराज में कुंभ मेले में दर्शन पर स्नान के लिए बड़े प्रमाण में श्रद्धालु जाते हैं. अमरावती समेत पश्चिम विदर्भ से कुंभ मेले में जाने वालों की संख्या अधिक है. इस विषय को देखते हुए अमरावती-जबलपुर ट्रेन प्रयागराज तक चलाने की मांग की है.

उत्कृष्ट खिलाड़ियों का निर्माण करने सीएम क्रीड़ा कप

पालकमंत्री प्रवीण पोटे का प्रतिपादन, दर्यापुर व अंजनगांव सुर्जी में स्पर्धा का उद्घाटन

प्रतिनिधि, 16 दिसंबर

अमरावती - विद्यार्थियों में छिपे गुणों को बढ़ावा मिलकर उत्कृष्ट खिलाड़ियों का निर्माण होने के लिए राज्य में मुख्यमंत्री क्रीड़ा कप स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है. यह बात पालकमंत्री प्रवीण पोटे पाटिल ने रविवार को दर्यापुर व अंजनगांव सुर्जी तहसील में आयोजित मुख्यमंत्री क्रीड़ा कप स्पर्धा के उद्घाटन अवसर पर कही. इस अवसर पर विधायक रमेश बुंदिले, तहसीलदार अमोल कुंभार, विजय मेंढे सहित क्रीड़ा क्षेत्र के गणमान्य व नप के पदाधिकारी उपस्थित थे.पालकमंत्री पोटे ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से शुरु हुआ यह उपक्रम युवा पीढ़ी को विधायक कार्यों की ओर मोड़ने वाला है. क्रीड़ा व कौशल विकास का बड़ा मौका इस उपक्रम से निर्माण हुआ है.

सोशल मीडिया से जुड़ी युवा पीढ़ी को मैदान पर लाने का कार्य इस उपक्रम से हो रहा है. तहसीलदार अमोल कुंभार ने बताया कि दर्यापुर तहसील के करीब 38 हजार छात्र-छात्राओं ने विविध खेलों के लिए पंजीयन करवाया है. मान्यवरों के समक्ष विद्यार्थियों ने दिल दहलाने वाले प्रैक्टिकल्स प्रस्तुत किये. क्रीड़ा क्षेत्र के मार्गदर्शक व खिलाड़ियों को इस अवसर पर पालकमंत्री के हाथों सम्मानित किया गया.

अंजनगांव तहसील में आयोजित मुख्यमंत्री कप क्रीड़ा की रंगोली स्पर्धा में छात्राओं द्वारा बनाई गई आकर्षक रंगोलियों का पालकमंत्री ने निरीक्षण किया. स्पर्धा के विजेताओं को पालकमंत्री के हाथों सराहना पत्र वितरित किये गए.

विभिन्न सड़क निर्माण के कार्यों का भूमिपूजन

पालकमंत्री प्रवीण पोटे के हाथों दर्यापुर व अंजनगांव तहसील में सड़क निर्माण के 2 कार्यों का भूमिपूजन किया गया. दर्यापुर विभाग में 9 करोड़ रुपयों से रावेरी, खांडवी व रामा 278 व दर्यापुर-आकोट-रामा 47 सड़क सुधार व नियमित द्विवार्षिक देखभाल के साथ ही 6 करोड़ रुपयों के अंजनगांव सुर्जी-मलकापुर-सातेगांव 9 किमी. सड़क सुधार के कार्यों का भूमिपूजन भी पालकमंत्री पोटे के हाथों किया गया.

संजू भाऊ तुम्हारा जाना हमें महंगा पड़ा!

संजय बंड इस कट्टर शिवसैनिक की और मेरी दोस्ती 1988 से है. प्रमोद पांडे नए-नए पत्रकारिता में आए थे. मैं राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय था. गंगा कैफे पर कटिंग चाय के साथ हमारी कई बार बहस हुई. पप्पू पाटिल जैसे युवा उस समय हमेशा उनके साथ रहते थे. एक-एक युवक अपना एरिया ताकत से संभालते थे. मगर दोस्ती मजबूत थी. चुनाव आने पर तरुण भारत कार्यालय में जरूर मिलने आते थे. शिवराय भाऊ, तुम्हारी मदद मांगने नहीं आए. जिस तरह सबको मिल रहे हैं वैसे तुम्हारे पास आए. तुम्हें जो लिखना है लिखो, ऐसा विश्वास दर्शाकर संजू भाऊ चाय पीकर, चर्चा कर निकल जाते थे. जाते-जाते कहते थे कि पेपर वगैरा ठीक है, मगर खुद के लिए कुछ करो, बच्चे बड़े हो रहे हैं. कुछ मदद चाहिए तो बताओ ऐसी सलाह वे हमेशा दिल से देते थे. संजय बंड शायद ही पीठ पीछे किसी के बारे में बुरा बोले होंगे! हमेशा शांत और हंसते-हंसते कोई भी मुद्दा हल करने का हुनर उनमें था. हिंदुत्व का केसरिया कंधे पर लेकर लड़ने वाले अधिकांश युवा सैनिकों का जबर्दस्त आधार संजू भाऊ 90 के दशक में उदयमान हुए. युवाओं पर उनकी विशेष पकड़ थी. मराठा राजनीति का एक चेहरा और हमारी पीढ़ी के लिए भक्कम आधार थे. 15 साल वे विधायक थे, तब सभी युवाओं के लिए मुंबई में संजू भाऊ का कमरा रहने के लिए था. भारत गणेशपुरे जैसा कलाकार इस खोली का आधार लेकर बड़ा बना. एक दूसरे के बूट, प्रेस के कपड़े पहनकर समारोह में जाने वाले युवा इसी रूम में रहते थे. इसलिए उनके निधन पर असंख्य युवाओं का आक्रोश और रोते-बिलखते लोग अनपेक्षित रूप से देखने को मिले. लोकप्रियता जांचने का मापदंड मृत्यु नहीं हो सकता. संजू भाऊ के जाने से मन बधिर हुआ. इन दो दिनों में जो जो राजकीय क्षेत्र के लोग मिले वे सुन्न थे और संजय बंड के अकाली एक्जिट को लेकर उन्हें गहरा सदमा पहुंचा था.

पिछले चुनाव में संजू भाऊ बडनेरा निर्वाचन क्षेत्र से मामूली वोटों से हारे थे. भाजपा कार्यकर्ताओं के आग्रह से अगले चुनाव में उतरने के लिए निर्वाचन क्षेत्र में मैंने संपर्क, कार्यक्रम, यात्रा शुरू की. दो माह पूर्व भातकुली के चौक में संजू भाऊ से मुलाकात हुई. दिल में किंतु-परंतु न रखते हुए संजू भाऊ ने गले लगाया. भाजपा और सेना के कार्यकर्ता कुछ देर हंसी-मजाक में मशगूल हुए. प्रचंड अनुभव व राजकीय बल प्राप्त इस नेता के दिल में मुझे कहीं भी कटुता नहीं महसूस हुई. समय आने पर कुछ बातें बैठकर तय करनी पड़ती हैं. ऐसा सूचक वाक्य वे दोस्ती के आधार पर कह गए. मगर नियति ने घात किया. कुछ बातें बैठकर तय करने के पहले ही संजू भाऊ ने मुझे ही नहीं, उनके विरोधियों को भी धोखा दिया.

संजू भाऊ तुम्हारा जाना हमें महंगा पड़ा. दो साल पहले तुम्हें बार-बार बाइपास की सलाह दी थी. उस समय वजन कम करने के लिए किसी डॉक्टर ने कहने की बात भी सुनी थी. मगर सरनेम की तरह और सैनिकी वृत्ति से तुमने वजन कम करने और अनुशासन के साथ जीने का मार्ग चुना. मगर नियति ने कुछ लोगों के भाग्य में ऐसा जीना नहीं दिया. अगर बाइपास कराते तो! नियति के सामने किसी बात का अर्थ नहीं रहता. यह सब चिंतन बेईमानी है. घटना घटते ही लिखने की आदत पत्रकारिता से आती है. मगर संजू भाऊ तुम्हारे अकस्मात जाने से दो-तीन दिन दिल लिखने के लिए भी साहस नहीं जुटा पा रहा था. आपके जाने से हमारा कभी भी न भर सकने वाला नुकसान हुआ, इससे ज्यादा क्या लिखें!

शिवराय कुलकर्णी